Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
April to June 2026, E-Journal, Vol. I, Issue LIV (54), ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

कार्यशील एवं घरेलू माताओं के किशोर अपराधियों की प्रकृति का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. अमृता मौर्या *

* 641, रेलवे कॉलोनी, झाँसी (उ.प्र.) भारत

प्रस्तावना – किशोर अपराधियों के अपराध संबंधी समस्यायें केवल पारिवारिक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक समस्या ही नहीं वरन् वह कानूनी समस्या भी हैं। किशोरों में शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक, सामाजिक परिवर्तन तीव्र गति से होते हैं। इस समय परिवार, समाज व विद्यालय से प्राप्त उपेक्षा, लाड़ प्यार की कमी, अत्यधिक कठोर अनुशासन, संसाधनों की कमी, उच्च महत्वाकांक्षाएँ और आर्थिक तंगी, माता पिता द्वारा उन पर निगरानी का अभाव या उनका अकेलापन, शारीरिक दोष व हीनभावना आदि के कारण किशोर गलत संगत में पड़ जाते हैं। नशे की लत व इन्टरनेट का दुरूपयोग करने से अपराधी बनने की संभावनाएँ और प्रबल हो जाती हैं। वे नशे की लत के चलते वे नशीले पदार्थों की खरीद फरोक्त व अवैध परिवहन करने लगते हैं। मारपीट, झगड़ा, हमला, संपत्ति की तोड़फोड़, सामग्री चोरी, वाहन चोरी करने लगते हैं। वे गिरोह बनाकर सार्वजनिक सम्पत्ति की हानि करने के साथ-साथ उपद्रव करने लगते हैं। आजकल साइबर अपराध बढ़ रहे हैं। फर्जी सोशल अकाउंट बनाना, हैकिंग, धोखाधड़ी, साइबर बुलिंग आदि की घटनायें बढ़ रही हैं। वे व्यक्तिगत या समूह में यौन अपराध करते हैं। सामूहिक अपराध, साथियों के दबाव में आने के कारण किये जाते हैं। किशोरों द्वारा किये गये अपराध अक्सर आवेश में आकर किये जाते हैं। उनके अपराधों में पूर्व नियोजन होने की संभावनाएँ कम होती हैं। अधिकतर परिस्थिति जन्य होते हैं। चूंकि किशोरों के अपराधी बनने में पारिवारिक वातावरण भी एक कारक माना गया है। पारिवरिक वातावरण कार्यशील और घेलू महिलाओं के परिवारों में भिन्न-भिन्न प्रकार का होता है। दोनों प्रकार की महिलाओं की कार्यशैली, चिंतन, समय व संसाधनों की उपलब्धता में भी भिन्नता पाई जाती है। इस कारण उनका अपने बच्चों का पालन पोषण का तरीका भी भिन्न-भिन्न होता है। इस कारण कार्यशील और घरेलू महिलाओं के किशोर अपराधियों के अपराध की प्रकृति में भी भिन्नता हो सकती है। यह ज्ञात करने के लिये शोधार्थी ने अपने शोध का विषय- 'कार्यशील एवं घरेलू माताओं के किशोर अपराधियों की प्रकृति का तुलनात्मक अध्ययन' चुना है।

उद्देश्य :

1. कार्यशील माताओं के किशोर अपराधियों की प्रकृति ज्ञात करना।
2. घरेलू माताओं के किशोर अपराधियों की प्रकृति ज्ञात करना।
3. कार्यशील एवं घरेलू माताओं के किशोर अपराधियों की प्रकृति का तुलनात्मक अध्ययन करना।
4. कार्यशील एवं घरेलू माताओं के किशोर अपराधियों की प्रकृति का स्तर ज्ञात करना।
5. कार्यशील एवं घरेलू माताओं के किशोर अपराधियों की प्रकृति के अंतर की सार्थकता ज्ञात करना।

परिकल्पना – 'कार्यशील एवं घरेलू माताओं के किशोर अपराधियों के अपराध की प्रकृति में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।'

शोध प्रविधि – प्रस्तुत शोध अध्ययन में उत्तर प्रदेश के ललितपुर शहर में स्थित राजकीय सम्प्रेषण गृह के 150 किशोरों का चयन उद्देश्यपूर्ण निदर्शन विधि से किया गया है। तथ्यों के संकलन हेतु स्वनिर्मित प्रश्नावली उपयोग की गई। तथ्य संकलन के पूर्व प्रश्नावली की विश्वसनीयता एवं वैधता की जाँच की गई। संकलित तथ्यों का वर्गीकरण एवं विश्लेषण किया गया। परिणामों की सार्थकता ज्ञात करने हेतु टी-परीक्षण का उपयोग किया गया।

तथ्यों का वर्गीकरण एवं विश्लेषण

तालिका क्रमांक – 1: कार्यशील महिलाओं के किशोर अपराधियों के अपराध की प्रकृति

प्रकृति	अपराधी किशोरों की सहमति					
	सहमत		आंशिक सहमत		असहमत	
	संख्या	प्रति.	संख्या	प्रति.	संख्या	प्रति.
रेडलाइट एरिया में जाना पसंद है	20	25.00	09	11.25	51	63.75
अश्लील फिल्मों को देखकर यौन उत्तेजित होना	60	75.00	02	02.50	18	22.50
अश्लील फिल्मों की नकल उतारना	62	77.50	03	03.75	15	18.75
सोशल मीडिया पर अश्लील फोटो/ वीडियो देखना	70	87.50	02	02.50	08	10.00

तालिका क्रमांक – 1 में कार्यशील माताओं के किशोर अपराधियों के अपराध की प्रकृति संबंधी सहमति/असहमति के आंकड़े प्रस्तुत किये गये हैं। तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि 20(25.0%) किशोर अपराधियों ने रेडलाईट एरिया में जाने की पसंदगी के लिए सहमति व्यक्त की है। 9(11.25%) ने आंशिक सहमति तथा 51(63.75%) ने असहमति व्यकक्त की है। अश्लील फिल्म देखकर यौन उत्तेजित होना प्रश्न के उत्तर में

60(75.0%) अपराधियों ने सहमति, 02(2.50%) ने आंशिक सहमति व 18(22.50%) ने असहमति व्यक्त की है। 62(77.50%) किशोर अपराधियों ने अश्लील फिल्मकों की नकल उतारने के संबंध में अपनी सहमति, 03(3.75%) ने आंशिक सहमति तथा 15(18.75%) ने असहमति व्यक्त की हे। 70(87.50%) किशोर अपराधियों ने सोशल मीडिया पर अश्लील फोटो/वीडियो देखने के संबंध अपनी सहमति व्यक्त की है। 2(2.50%) ने आंशिक सहमति तथा 8(10.0%) ने असहमति व्यक्त की है।

तालिका क्रमांक – 2: घरेलू महिलाओं के किशोर अपराधियों के अपराध की प्रकृति

प्रकृति	अपराधी किशोरों की सहमति					
	सहमत		आंशिक सहमत		असहमत	
	संख्या	प्रति.	संख्या	प्रति.	संख्या	प्रति.
रेडलाइट एरिया में जाना पसंद है	25	35.71	03	4.28	42	60.00
अश्लील फिल्मों को देखकर यौन उत्तेजित होना	55	78.57	03	4.28	12	17.14
अश्लील फिल्मों की नकल उतारना	30	42.85	05	7.14	35	50.00
सोशल मीडिया पर अश्लील फोटो/ वीडियो देखना	62	88.57	01	1.42	07	10.00

तालिका क्रमांक – 2 में घरेलू माताओं के किशोर अपराधियों के अपराध की प्रकृति संबंधी सहमति/असहमति के आंकड़े प्रस्तुत किये गये हैं। तालिका दर्शाती है कि 25(35.71%) अपराधियों ने रेडलाइट एरिया में जाना पसंद है उन्होंने प्रश्न के उत्तर में अपनी सहमति व्यक्त की है। 3(4.28%) ने आंशिक सहमति तथा 42(60.0%) ने असहमति व्यक्त की है। अश्लील फिल्में देखकर यौन उत्तेजित होता है प्रश्न के जबाव में 55(78.57%) अपराधियों ने सहमति व्यक्त की है। 3(4.28%) ने आंशिक सहमति तथा 12(14.14%) ने असहमति व्यक्त की है। 30(42.85%) अपराधियों ने अश्लील फिल्मों की नकल उतारने के संबंध में सहमति दर्शाई है, 5(7.14%) ने आंशिक सहमति तथा 35(50.00%) ने असहमति दर्शाई है। सोशल मीडिया पर अश्लील फोटो/वीडियो देखने के संबंध में 62(88.57%) किशोर अपराधियों ने सहमति व्यक्त की है। 1(1.42%) ने आंशिक सहमति तथा 7(10.0) ने असहमति व्यक्त की है।

तालिका क्रमांक–3 (अन्तिम पृष्ठ पर देखे)

तालिका क्रमांक – 3 में कार्यशील एवं घरेलू माताओं के किशोर अपराधियों के अपराध की प्रकृति संबंधी सहमति/असहमति के आंकड़े प्रस्तुत किये गये हैं। तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि 20(13.33%) अपराधियों ने रेडलाइट एरिया में जाना पसंद है प्रश्न के उत्तर में अपनी सहमति व्यक्त की है। अश्लील फिल्में देखकर यौन उत्तेजित होने के संबंध में 60(40.0%) अपराधियों ने सहमति व्यक्त की है। 62(41.33%) ने अश्लील फिल्में देखकर नकल उतारने के प्रति सहमति व्यक्त की है। सोशल मीडिया पर अश्लील फोटो/ वीडियो दोने के लिए भी 70(46.66%) अपराधियों ने अपनी सहमति व्यक्त की है जबकि घरेलू माताओं के किशोर अपराधियों में से 25(16.66%) ने रेडलाइट एरिया में जाना पसंद है की सहमति बताई। अश्लील फिल्मों को देखकर यौन उत्तेजित होने के संबंध में 55(36.66%) अपराधियों ने सहमति व्यक्त की है। अश्लील फिल्मों की नकल उतारने के लिए 30(20.0%) ने सहमति बताई है। सोशल मीडिया पर अश्लील फोटो/वीडियो देखने के संबंध में 62(41.33%) किशोर अपराधियों ने सहमति व्यक्त की है।

तालिका क्रमांक – 4 (अन्तिम पृष्ठ पर देखे)

तालिका क्रमांक – 4 में अपराधी किशोरों की प्रकृति के स्तर के आंकड़े प्रदर्शित किये गये हैं। तालिका दर्शाती है कि 47(31.33%) अपराधी किशोरों की प्रकृति का स्तर उच्च पाया गया है क्योंकि उनकी सोच सकारात्मक थी। इनमें 23(15.33%) किशोर कार्यशील माताओं के तथा 24(16.0%) घरेलू माताओं के हैं। 07(4.66%) अपराधी किशोरों की प्रकृति का स्तर मध्यम पाया गया क्योंकि उनकी प्रकृति का स्तर अनिश्चित था जिसमें 04(2.66%) किशोर कार्यशील माताओं के तथा 03(2.0%) घरेलू माताओं के हैं। 96(64%) किशोर निम्न स्तर की प्रकृति के पाये गये क्योंकि उनकी सोच नकारात्मक थी इनमें 53(35.33%) किशोर कार्यशील माताओं के तथा 43(28.66%) किशोर घरेलू माताओं के हैं।

तालिका क्रमांक – 5 (अन्तिम पृष्ठ पर देखे)

तालिका क्रमांक – 5 में कार्यशील एवं घरेलू माताओं के अपराधी किशारों के अपराध की प्रकृति का तुलनात्मक अध्ययन करने के लिए निर्मित की शून्य परिकल्पना– कार्यशील एवं घरेलू माताओं के किशोर अपराधियों के अपराध की प्रकृति में सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा के सत्यापन हेतु प्रयुक्त टी–टेस्ट संबंधी आंकड़े प्रदर्शित किये गये हैं। तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि कार्यशील माताओं के अपराधी किशोरों की प्रकृति का मध्यमान 2.38 है तथा घरेलू माताओं के अपराधी किशोरों की प्रकृति का मध्यमान 2.27 हैं। टी–परीक्षण का परिगणित मूल्य 148 स्वतंत्र्यांश पर 0.6842 है जो कि 0.05 स्तर पर असार्थक है। अत: शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है। इससे सिद्ध होता है कि कार्यशील माताओं एवं घरेलू माताओं के अपराधी किशोरों की प्रकृति में सार्थक अंतर नहीं पाया गया है। दोनों प्रकार की माताओं के अपराधी किशोरों के अपराध की प्रकृति लगभग मिलती जुलती पाई गई है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि किशोरों द्वारा किए गए अपराधों की प्रकृति पर माता के कार्यशील या घरेलू होने का प्रभाव नहीं पाया गया।

निष्कर्ष – कार्यशील एवं घरेलू महिलाओं के किशोर अपराधियों के अपराध की प्रकृति में सार्थक अंतर नहीं पाया गया है अर्थात् माता की कार्यशीलता का उनके बच्चों के अपराध की प्रकृति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

सीमाएँ – प्रस्तुत शोध अध्ययन में किशोर अपराधियों के अपराध की प्रकृति ज्ञात करने हेतु उनकी सहमति/असहमति उनके रेडलाइट एरिया में जाने, अश्लील फिल्म/फोटो/वीडियो देखने, उनकी नकल उतारने व उनका यौन उत्तेजना पर प्रभाव आदि का अध्ययन किया गया है। इसके अलावा चोरी, मारपीट, तोड़फोड, नशेबाजी, साइबर क्राइम संबंधी शोध कार्य नहीं किया गया है। इसलिए इनके संबंध में भविष्य में शोध कार्य किये जा सकते हैं।

सुझाव – किशोरावस्था में बच्चों की देखभाल उचित ढंग से करना केवल माता की ही जिम्मेदारी नहीं है। परिवार के अन्य सभी सदस्यों, पड़ौसियों, शिक्षकों व प्रशासन व्यवस्था सभी की जिम्मेदारी है। परिवार में उनकी गतिविधियों पर सभी को नजर रखना चाहिये उनकी समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुनकर उसके समाधान करने चाहिये। जायज मांगों को तुरंत पूरा करना व

नाजायज मांगों के प्रति बचपन से ही सख्ती करनी चाहिये। उन्हें मारने पीटने की अपेक्षा समझाने का प्रयास करना चाहिये। बच्चों के सामने वह आदर्श स्वयं अपनायें जिसकी वे अपने बच्चों से आशा रखते हैं। बच्चों को भरपूर लाड़ प्यार दें किंतु उनकी गलतियों व अनुशासनहीनता पर नाराजगी भी व्यक्त जरूर करें। उन्हें सही व गलत कार्यों में अंतर समझायें, जिद्दी न बनने दें। बचपन से ही गुड और बैड टचिंग का मतलब भी समझायें। उन्हें स्वयं भी निर्णय लेने की क्षमता का विकास व अमल करना सिखायें। हमेशा दोस्तों के ऊपर निर्भर रहने की आदत न बनने दें। ऐसे बच्चों समूह के दबाव में जल्दी आते हैं। वे हमेशा अपने कार्यों व निर्णयों के लिये दोस्तों की मदद का इंतजार करते हैं जो उन्हें गुमराह कर सकते हैं। स्वयं की सोच व निर्णय पर विश्वास करना ही मानसिक स्वतंत्रता प्रदान करती है। इस बात को समझायें। पास पड़ौसियों से अच्छे संबंध रखें। उनके द्वारा यदि आपके बच्चे की शिकायत आती है तो उसे अनदेखा न करें। प्रशासन को भी किशोरावस्था के बच्चों पर नजर रखनी चाहिये। सार्वजनिक स्थलों के साथ-साथ सूनसान इलाकों में भी निगरानी करते रहना चाहिये। किसी भी आशंका के चलते समाज के प्रत्येक सदस्य को चाहिये कि वह पुलिस को जानकारी दें।

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. https://him.wikipedia.org>wiki
2. https://www.myupchar.com
3. https://www.penalreform.org
4. https://www.cdpp.co.in

तालिका क्रमांक-3: कार्यशील एवं घरेलू माताओं के किशोर अपराधियों की प्रकृति की तुलनात्मक तालिका

कारण	N	कार्यशील माताओं के किशोर						घरेलू माताओं के किशोर					
		सहमत		आंशिक सहमत		असहमत		सहमत		आंशिक सहमत		असहमत	
		सं.	प्रति.	सं.	प्रति.	सं.	प्रति.	सं.	प्रति.	सं.	प्रति.	सं.	प्रति.
रेडलाइट एरिया में जाना पसंद है	150	20	13.33	09	6.00	51	34.00	25	16.66	03	2.0	42	28.00
अश्लील फिल्मों को देखकर यौन उत्तेजित होना	150	60	40.00	02	1.33	18	12.00	55	36.66	03	2.0	12	8.00
अश्लील फिल्मों की नकल उतारना	150	62	41.33	03	2.0	15	10.00	30	20.00	05	3.33	35	23.33
सोशल मीडिया पर अश्लील फोटो/ वीडियो देखना	150	70	46.66	02	1.33	08	5.33	62	41.33	01	0.66	07	4.66

तालिका क्रमांक - 4: कार्यशील एवं घरेलू माताओं के किशोर अपराधियों की प्रकृति का स्तर

किशोर	उच्च		मध्यम		निम्न		योग	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
कार्यशील माताओं के किशोर	23	15.33	04	2.66	53	35.33	80	53.33
घरेलू माताओं के किशोर	24	16.00	03	2.00	43	28.66	70	46.66
योग	47	31.33	07	4.66	96	64	150	100.0

तालिका क्रमांक - 5: कार्यशील एवं घरेलू माताओं के अपराधी किशोरों के अपराध की प्रकृति के मध्यमान, मानक विचलन एवं टी परीक्षण तालिका

विकल्प	मध्यमान (Mean)	मानक विचलन (SD)	स्वतंत्र्यांश	'टी' परीक्षण का मूल्य	सार्थकता स्तर
कार्यशील माताओं के अपराधी किशोर(N=80)	2.38	0.91	148	0.6842	p>0.05
घरेलू माताओं के अपराधी किशोर(N=70)	2.27	0.95			

*0.05 स्तर पर सार्थक

****